भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 806

जिसका उत्तर दिनांक 09.02.2023 को दिया जाना है

देश के परमाणु कार्यक्रम का योगदान

806 श्री जुगलसिंह लोखंडवाला :

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश के परमाणु कार्यक्रम का दैनिक बिजली उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) आने वाले समय में प्रारंभ होने वाले नए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी घटकों के लिए आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

(क) जी, हां। वर्ष 2021-22 में भारतीय नाभिकीय विद्युत संयंत्रों में कुल 47112 मिलियन यूनिट (एमयू), औसतन लगभग 130 एमयू प्रति दिन बिजली का उत्पादन किया गया।

(ख) प्रगतिशील नए नाभिकीय विद्युत ऊर्जा संयंत्रों का विवरण निम्नानुसार है :

राज्य	**स्थल**	**परियोजना**	**क्षमता (मेगावाट)**
निर्माणाधीन परियोजनाएं			
गुजरात	काकरापार	केएपीपी - 3[$] व 4	2 X 700
राजस्थान	रावतभाटा	आरएपीपी - 7 व 8	2 X 700
तमिलनाडु	कुडनकुलम	केकेएनपीपी - 3 व 4	2 X 1000
		केकेएनपीपी - 5 व 6	2 X 1000
	कल्पाक्कम	पीएफबीआर[@]	1 x 500
हरियाणा	गोरखपुर	जीएचएवीपी - 1 व 2	2 X 700
प्रशासनिक अनुमोदन एवं वित्तीय मंजूरी प्राप्त परियोजनाएं			
कर्नाटक	कैगा	कैगा - 5 व 6	2 X 700
हरियाणा	गोरखपुर	जीएचएवीपी - 3 व 4	2 X 700
मध्य प्रदेश	चुटका	चुटका - 1 व 2	2 X 700
राजस्थान	माही बांसवाड़ा	माही बांसवाड़ा - 1 व 2	2 X 700
		माही बांसवाड़ा - 3 व 4	2 X 700

$ केएपीपी-3 (700 मेगावाट) को जनवरी 2021 में ग्रिड से जोड़ दिया गया है।

@भाविनि द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है।

(ग) स्वदेशी प्रौद्योगिकियों पर आधारित रिएक्टरों के लिए महत्वपूर्ण घटक भारतीय उद्योगों से प्राप्त किए जाते हैं। विदेशी सहयोग से स्थापित किए जा रहे रिएक्टरों के संबंध में विभिन्न पहलों के माध्यम से स्वदेशी आपूर्ति बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

* * * * *